link. There is no new proposal under consideration.

वर्षा जल का उपयोग

1607. **श्री राम नरेश यादव** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वर्षा जल के उपयोग हेतु कोई योजना तैयार की है; यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना में ऐसी कितनी योजनाओं को क्रियान्वित किये जाने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) देश में 4000 घन किलोमीटर वार्षिक वृष्टि होती है, जिसमें से नदियों में उपलब्ध औसत वार्षिक प्रवाह लगभग 1850 क्यूबिक किलोमीटर है । स्थलाकृतिक जल-वैज्ञानिक और अन्य बाधाओं के कारण, वार्षिक पुनर्भरणीय भूजल संसाधनों के अतिरिक्त, जो लगभग 450 क्यूबिक किलोमीटर है, उपयोज्य सतही जल का मूल्यांकन 690 क्यूबिक किलोमीटर किया गया है । राज्य सरकारें उपयोज्य जल का उपयोग बढ़ाने के लिए वृहद, मध्यम और लघु सिंचाई स्कीमों का कार्यान्वयन कर रही हैं । उपयोज्य जल के उपयोग में वृद्धि करने के लिए कुओं से सिंचाई और लघु सिंचाई कार्यों को बढ़ावा देने के अतिरिक्त अब तक पूरे देश में कुल 263 वृहद सिंचाई परियोजनाएं 1104 मध्यम सिंचाई परियोजनाएं प्रारंभ की गई है । अब तक 83 वृहद परियोजनाएं और 777 मध्यम सिंचाई परियोजनाएं पूरी की गयी हैं । इस समय कुल 1140 क्यूबिक किलोमीटर उपयोग मात्रा में से 552 क्यूबिक किलोमीटर जल के उपयोग का निर्धारण किया गया है ।

उपयोज्य जल की उपलब्धता को अधिकतम बढ़ाने के लिए सरकार से अधिशेष जल वाले क्षेत्रों से जल की कमी वाले क्षेत्रों में जल के अंतरण के लिए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य तैयार किया है, जिसमें दो घटक अर्थात् हिमालयाई नदी विकास घटक और प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक सम्मिलित किए गए हैं । राष्ट्रीय जल विकास अधिकरण, प्रत्येक घटक में वृहद्ध नदियों का अन्त सम्पर्क करने पर विस्तृत अध्ययन करने में लगा हुआ है । प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक में 17 जल अन्तरण सम्पर्कों में से जल अन्तरण सम्पर्कों पर अध्ययन पहले ही पूर्ण किए गए हैं और प्रारम्भिक व्यवहार्यता रिपोर्टें संबंधित राज्य सरकारों को सहमति हेतु भेजी गयी हैं । शेष जल अन्तरण सम्पर्कों के लिए अध्ययन आठवीं योजना में पूर्ण किए जाने का कार्यक्रम है । हिमालयायी घटक पर भी अध्ययन हाल ही में प्रारम्भ किए गए हैं । जहां वर्षा होती है वहां उसका जल संरक्षित करने एवं उसका उपयोग करने के लिए जल विभाजक विकास कार्यक्रम अलग से प्रारम्भ किए गए हैं । किन्तु वाष्पीकरण और वनस्पति हानियों और नदी भूभाग का अनुरक्षण करने के लिए नदी में जल की कुछ मात्रा प्रवाहित करने की आवश्यकता के कारण वर्ष जल का पूर्ण उपयोग करना संभव नहीं है ।

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना प्रस्तावों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है ।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना

1608. **श्री रणजीत सिंह** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि निर्माणाधीन इंदिरा गांधी नहर परियोजना का समस्त कार्य सन 2004 तक पूरा कर लिए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस परियोजना के पूरा होने में अनपेक्षित विलम्ब होने के कारण पिछले वर्षों में इसकी निर्माण लागत बढ़ गयी है ;

(ग) यदि हां, तो अब तक कुल कितने प्रतिशत बढ़ोतरी हो चुकी है;